B-4
L-17
Indian Society.

भारत में साम्प्रदायिकता के दुष्परिणाम

3. राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को खतरा।

4. साम्प्रदायिक दंगों के परिणामस्वरूप जान-माल की हानि, निवेश में कमी और आर्थिक विकास बाधित

5. आधुनिक भारत एवं धर्मनिरपेक्ष भारत के निर्माण की प्रक्रिया बाधित

6. राजनीतिक अस्थिरता एवं बहुसंख्यकों के राजनीतिक प्रभुत्व का खतरा

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

भारत में साम्प्रदायिकता का कारण

1. अंग्रेजों की 'फूट डालो राज करो' की नीति।

2. भारतीय मुस्लिमों का पाकिस्तान के प्रति स्वाभाविक सहानुभूति का हिन्दू जनमानस द्वारा नकारात्मक विश्लेषण।

3. शाहबानो प्रकरण, तीन तलाक का मुद्दा आदि का राजनीतिक दलों द्वारा स्वार्थपूर्ण विवेचन

4. धार्मिक कट्टरपंथियों एवं राजनीतिक दलों की नकारात्मक भूमिका

5. वैश्विकरण जनित धार्मिक कट्टरतावाद एवं धार्मिक नृजातियता में वृद्धि

6. अशिक्षा, गरीबी, बेरोजगारी, आर्थिक विषमता एवं सापेक्षिक वंचन

7. विदेशी शक्तियों एवं मीडिया की नकारात्मक भूमिका।

साम्प्रदायिकता उन्मूलन हेतु किए गए प्रयास

1. स्वतंत्रता के बाद भारत के लिए 'धर्म निरपेक्ष राज्य' की घोषणा।

2. अल्पसंख्यकों को विशेष संरक्षण व सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उनके विकास हेतु प्रयास

3. 1961 में राष्ट्रीय एकता परिषद एवं 1992 में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग का गठन।

4. 1976 में राष्ट्रीय एकीकरण हेतु गठित कार्यदल द्वारा साम्प्रदायिक सद्भाव हेतु सुझाए कार्यक्रम एवं उनका क्रियान्वयन

5. विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं एवं NGO (जैसे- अखण्ड 'भारत' एवं 'विश्व शांति') द्वारा इस दिशा में किए गए प्रयास।

6. समय-समय पर इस दिशा में न्यायालय द्वारा दिए गए निर्देश एवं कानून द्वारा मीडिया को नियंत्रित करने का प्रयास

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

भारत में साम्प्रदायिकता को रोकने हेतु सुझाव

1. धर्मनिरपेक्षता को एक मजबूत विचारधारा के रूप में स्थापित किया जाए और इस दिशा में कार्य करने हेतु मीडिया, NGO एवं Youth को प्रोत्साहन दिया जाए।

2. सभी धार्मिक समूहों के मध्य सांस्कृतिक आदान-प्रदान द्वारा उनको एक दूसरे के निकट लाया जाए और उनमें राष्ट्रवाद या 'हम सब एक हैं' की भावना का विकास किया जाए।

3. साम्प्रदायिक मानसिकता रखने वाले व्यक्ति, नेताओं एवं दलों के विरुद्ध कठोर कारवाई की जाए।

4. ऐसे धार्मिक संगठनों एवं दलों की पहचान कर उन पर प्रतिबंध लगाया जाए

5. दोष-निवारक उपाय जैसे- पुलिस, मिलिट्री तथा न्याय व्यवस्था को तत्परत, सक्रिय एवं संवेदनशील बनाया जाए (सच्चर कमेटी)

6. अफवाहों पर नियंत्रण स्थापित करने हेतु Social मीडिया को नियंत्रित किया जाए।

7. मुस्लिमों के सामाजिक एवं शैक्षणिक समस्याओं का समाधान किया जाए।

8. बहुसंख्यकों को अल्पसंख्यकों के प्रति उत्तरदायीपूर्ण भूमिका निर्वहन हेतु प्रेरित किया जाए।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR